• कविता...

अंधेरे के विरुद्ध

आमेर में तीसरे पहर
एक गुफा है तुम्हारे सामने
और गुफा में
रोशनी का एक नगर
खुशबू की एक नदी
और वसन्त में रची हुई
फूलों की एक घाटी...
लगता है तुम्हें
कि बहुत ताकतवर और
रहस्यमय है गुफा का अंधेरा
तुम्हारी हथेली पर कांपती हुई
दीपशिखा के मुकाबले...
पराजित और विजेता होने की
काल्पनिक अनुभूतियों के बीच
एक स्थगित यात्रा से तुम
किसी पर्वत-शिखर की मानिद
ओढे जा रहे हैं
पर्त-दर-पर्त
अवसाद और कुंठा कि बर्फ...
इससे पहले कि यह बर्फ
पाषाण बना दे तुम्हें
और दीपशिखा
जलाने लगे हथेली
बहुत जरूरी है कोई निर्णय...
अंधेरे का आतंक
आखिर की चाह को
अंकुश लगा पायेगा?

■ सुरेश विमल

• चुटकुले...

एक शराबी दारू पी पी कर मर गया, लेकिन उसकी दारू के प्रति श्रद्धा तो देखो...
वो मर के भी यह कह गया शराब तो ठीक थी! पर मेरा लिवर ही कमजोर निकला।

एक शराबी एयरपोर्ट के बाहर खड़ा था। एक वर्दीधारी युवक उधर से गुजरा। शराबी ने उससे कहा एक टैक्सी ले आओ।
युवक – मैं पायलट हूं, टैक्सी ड्राइवर नही।
शराबी– नाराज क्यों होते हो भाई? तो एक हवाई जहाज ले आओ।

पंजाबी शादी की पार्टी में डीजे ने पूछा– कब तक बजाना है?
मेजबान– 8–10 पैग तक बजा लो, उसके बाद तो ये सब जनरेटर की आवाज पर भी नाच लेंगें।

• जानकारी...

धरती पर लौटने के बाद एस्ट्रोनॉट्स

अंतरिक्ष रहस्यों से भरी दुनिया है, ये बात तो हम सभी लोग जानते हैं। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि स्पेस में लंबे समय तक रहने के बाद एस्ट्रोनॉट्स जब वापस धरती पर लौटते हैं, तो उन्हें किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आज हम आपको बताएंगे कि स्पेस से धरती पर आने के बाद अंतरिक्षयात्रियों के शरीर में किन चीजों में बदलाव आता है।

स्पेस से धरती तक का सफर-दुनियाभर के अलग-अलग देशों की स्पेस एजेंसियां अपने अंतरिक्षयात्रियों को रिसर्च के लिए स्पेस भेजती है। इसी क्रम में बीते जून में नासा ने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को 8 दिनों के मिशन के लिए स्पेश में भेजा था, लेकिन विमान में तकनीकी खराबी आने के कारण ये दोनों यात्री 200 से अधिक दिनों से स्पेस में फंसे हुए हैं।

हालांकि रिपोर्ट्स के मुताबिक अब उनकी 12 मार्च के बाद धरती पर लाने का प्लान बना है। आज हम आपको बताएंगे कि स्पेस से इतने महीने रहने के बाद धरती पर आने पर एस्ट्रोनॉट्स को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है और उनके शरीर में क्या बदलाव होते हैं।

शरीर में क्या होते हैं बदलाव-अंतरिक्षयात्रियों के धरती पर रहने और स्पेस में जाने के बाद शरीर में होने वाले बदलाव को लेकर रिसर्च लगातार जारी है। साइंस अलर्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक 6 महीने के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले 15 अंतरिक्ष यात्रियों पर रिसर्च की गई है। इस दौरान स्पेस की यात्रा में जाने से पहले और वापसी के बाद इनके दिमाग का एमआरआई स्कैन किया गया था।

रिसर्च में हुए बड़े खुलासे-बता दें कि अंतरिक्ष से वापसी के बाद एस्ट्रोनॉट्स के दिमाग में कई बदलाव होते हैं। दरअसल एमआरआई स्कैन में खुलासा हुआ है कि इनके दिमाग के खास हिस्से पेरिवैस्कुलर स्पेस पर इसका बुरा असर पड़ा है। दरअसल इस दौरान इसका आकार घट गया है। वहीं पहली बार यात्रा करने वाले एस्ट्रोनॉट में यह अंतर साफतौर पर देखा गया है। हालांकि कई बार अंतरिक्ष यात्रा पर जा चुके यात्रियों में यह अंतर कम दिखा ह। इसके अलावा स्पेस से वापसी के बाद यात्रियों के शरीर में कमजोरी और थकान भी दिखता है। डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक एस्ट्रोनॉट के जमीन पर आने के बाद शरीर में 54 फीसदी तक लाल रक्त कोशिकाओं की कमी हो जाती है, जिसके कारण साफ तौर पर एनीमिया का असर दिखता है।

• पंचतंत्र की कहानी

व्यापारी के पुत्र की कहानी

सागर दत्त का पुत्र अपमानित होकर घर से निकल पड़ा। वह एक नगर में पहुंचा। लोग जब उसका नाम पूछते तो वह अपना नाम प्राप्तव्य – अर्थ ही बतलाता। इस प्रकार वह 'प्राप्तव्य–अर्थ' के नाम से पहचाना जाने लगा।

कुछ दिनों बाद नगर में एक उत्सव मनाया गया। नगर की राजकुमारी चंद्रावती अपनी सहेली के साथ उत्सव की शोभा देखने निकली। इस प्रकार जब वह नगर का भ्रमण कर रही थी तो किसी देश का राजकुमार उसकी दृष्टि में आ गया...

किसी नगर में सागर दत्त नाम का एक व्यापारी रहता था। उसके लड़के ने एक बार सौ रुपए में बिकने वाली एक पुस्तक खरीदी। उस पुस्तक में केवल एक श्लोक लिखा था - जो वस्तु जिसको मिलने वाली होती है, वह उसे अवश्य मिलती है। उस वस्तु की प्राप्ति को विधाता भी नहीं रोक सकता। अतएव मैं किसी वस्तु के विनष्ट हो जाने पर न दुखी होता हूं और न किसी वस्तु के अनायास मिल जाने पर आश्चर्य ही करता हूं। क्योंकि जो वस्तु दूसरों को मिलने वाली होगी, वह हमें नहीं मिल सकती और जो हमें मिलने वाली है, वह दूसरों को नहीं मिल सकती।

उस पुस्तक को देखकर सागर दत्त ने अपने पुत्र से पूछा - 'तुमने इस पुस्तक को कितने में खरीदा है?' पुत्र ने उत्तर दिया- 'एक सौ रुपए में।'

अपने पुत्र से पुस्तक का मूल्य जानकर सागर दत्त कुपित हो गया। वह क्रोध से बोला - 'अरे मूर्ख! जब तुम लिखे हुए एक श्लोक को एक सौ रुपए में खरीदते हो तो तुम अपनी बुद्धि से क्या धन कमाओगे? तुम जैसे मूर्ख को मैं अब अपने घर में नहीं रखूंगा।'

सागर दत्त का पुत्र अपमानित होकर घर से निकल पड़ा। वह एक नगर में पहुंचा। लोग जब उसका नाम पूछते तो वह अपना नाम प्राप्तव्य - अर्थ ही बतलाता। इस प्रकार वह 'प्राप्तव्य-अर्थ' के नाम से पहचाना जाने लगा। कुछ दिनों बाद नगर में एक उत्सव मनाया गया। नगर की राजकुमारी चंद्रावती अपनी सहेली के साथ उत्सव की शोभा देखने निकली। इस प्रकार जब वह नगर का भ्रमण कर रही थी तो किसी देश का राजकुमार उसकी दृष्टि में आ गया। वह उस पर मुग्ध हो गई और अपनी सहेली से बोली - 'सखी! जिस प्रकार भी हो सके, इस राजकुमार से मेरा समागम कराने का प्रयास करो।'

राजकुमारी की सहेली तत्काल उस राजकुमार के पास पहुंची और उससे बोली - मुझे राजकुमारी चंद्रावती ने आपके पास भेजा है। उनका कहना है कि आपको देखकर उनकी दशा बहुत शोचनीय हो गई है। आप तुरंत उनके पास न गए तो मरने के अतिरिक्त उनके लिए अन्य कोई मार्ग नहीं रह जाएगा।' इस पर उस राजपुत्र ने कहा- 'यदि ऐसा है तो बताओ कि मैं उनके पास किस समय और किस प्रकार पहुंच सकता हूं?'

राजकुमारी की सहेली बोली -'रात्रि के समय उसके शयनकक्ष में चमड़े की एक मजबूत रस्सी लटकी हुई मिलेगी, आप उस पर चढ़कर राजकुमारी के कक्ष में पहुंच जाना।'

इतना बताकर राजकुमारी की सहेली तो वापस लौट गई, और राजकुमार रात्रि के आगमन की प्रतीक्षा करने लगा। किंतु रात हो जाने पर कुछ सोचकर उस राजपुत्र ने राजकुमारी के कक्ष में जाना एकाएक स्थगित कर दिया। संयोग की बात है कि व्यापारी पुत्र 'प्रातव्य - अर्थ उधर से ही निकल रहा था। उसने रस्सी लटकी देखी तो वह उस पर चढ़कर राजकुमारी के कक्ष में पहुंच गया। राजपुत्री ने भी उसको राजकुमार समझ उसका खूब स्वागत - सत्कार किया, उसको स्वादिष्ट भोजन खिलाया और अपनी शय्या पर उसे लिटाकर स्वयं भी लेट गई।

व्यापारी पुत्र के स्पर्श से रोमांचित होकर उस राजकुमारी ने कहा - 'मैं आपके दर्शनमात्र से ही अनुरक्त होकर आपको अपना हृदय दे बैठी हूं। अब आपको छोड़कर किसी और को पति रूप में वरण नहीं करूंगी।'

व्यापारी पुत्र कुछ नहीं बोला। वह शांत पड़ा रहा। इस पर राजकुमारी ने कहा -''आप मुझसे बोल क्यों नहीं रहे हैं, क्या बात है ?' तब व्यापारी पुत्र बोला - 'मनुष्य प्राप्तक वस्तु को प्राप्त कर ही लेता है।' यह सुनकर राजपुत्री को संदेह हो गया। उसने तत्काल उसे अपने शयनकक्ष से बाहर भगा दिया। व्यापारी पुत्र वहां से निकलकर एक जीर्ण - शीर्ण मंदिर में विश्राम करने चला गया।

-जारी

• रोचक...

सबसे छोटी ट्रेन

भारतीय रेलवे आज दूर दराज क्षेत्रों से तक अपनी सेवाएं दे रही है। जानकारी के मुताबिक भारत में हर दिन 13 हजार से अधिक ट्रेनों का संचालन होता है। जिसके जरिए यात्री अपना सफर पूरा करते हैं। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि भारतीय रेलवे की किस ट्रेन में सबसे कम कोच लगते हैं और ये कितनी दूरी का सफर तय करती है। बता दें कि सीएचटी से एर्नाकुलम जंक्शन के बीच एक ट्रेन चलती है। ये ट्रेन मात्र नौ किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस दौरान ये ट्रेन सिर्फ एक स्टॉपेज पर रुकती है, जिसके साथ ही ये ट्रेन पूरी दूरी 40 मिनट में तय करती है। एचटी से एर्नाकुलम जंक्शन के बीच चलने वाली इस डीईएमयू ट्रेन को देश की सबसे छोटी रेल सेवा होने का भी गौरव प्राप्त है। दरअसल इस ट्रेन में सिर्फ तीन कोच ही लगते हैं। इस ट्रेन में लगने वाले तीन डिब्बों में 300 यात्रियों की बैठने की क्षमता है। सूत्रों के मुताबिक यात्रियों की कम संख्या के कारण रेलवे इस ट्रेन सेवा को रोक सकती है. लांकि अभी इस ट्रेन की सेवा जारी है।

• सबसे अधिक हथियार...

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की मार्च 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत 2019 से 2023 तक दुनिया का शीर्ष हथियार आयातक था। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2018–2022 में पांच सबसे बड़े हथियार निर्यातक देशों में अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और जर्मनी थे। इतना ही नहीं 2018–2022 में दुनियाभर में इन देशों से 76 फीसदी हथियार निर्यात हुए हैं। अमेरिका हथियार बेचने के मामले में सबसे ऊपर है। बता दें कि साल 2024 में अमेरिका ने 318.7 बिलियन डॉलर के हथियार बेचे थे, यह पिछले साल की तुलना में 29 फीसदी अधिक है।